IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-3&4 Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi –110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

support@iasbaba.com

www.iasbaba.com

Q.1) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

संगठन	नेता
1. मद्रास महाजन सभा	पी आनंद चार्लू
2. बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	के टी तेलंग
3. अखिल भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन	आनंद मोहन बोस

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
1884 में मद्रास महाजन सभा का गठन मद्रास के युवा राष्ट्रवादियों के एक समूह द्वारा किया गया था जैसे कि एम वीराराघवाचार्य, जी सुब्रमण्य अय्यर और पी आनंद चार्लू।	1885 में बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन का गठन लोकप्रिय - फिरोजशाह मेहता, के टी तेलंग और बदरुद्दीन तैयबजी द्वारा किया गया था।	भारतीय राष्ट्रीय संघ जिसे इंडियन एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता है, 1876 में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में स्थापित पहला राष्ट्रवादी संगठन था।

Q.2) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक बॉम्बे के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में डब्ल्यू सी बनर्जी द्वारा आयोजित की गई थी।
2. भारतीयों को शामिल करने के लिए भारत के राज्य सचिव की भारतीय परिषद के विस्तार की मांग करते हुए कांग्रेस की पहली बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

Q.2) Solution (d)

कथन 1	कथन 2
असत्य	**असत्य**
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक ए ओ ह्यूम द्वारा आयोजित की गई थी। यह 1885 में बॉम्बे के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में आयोजित किया गया था। इसकी अध्यक्षता डब्ल्यू सी बनर्जी ने की थी। 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था तथा उनमें से अधिकांश वकील पृष्ठभूमि के थे, और इस सत्र में कोई महिला नहीं थी।	कुल 9 प्रस्ताव पारित किए गए। उनमें से एक में भारत के राज्य सचिव की भारतीय परिषद को समाप्त करने की मांग की गयी थी। पारित किए गए अन्य महत्वपूर्ण संकल्प थे - भारतीय प्रशासन के कामकाज की जाँच करने के लिए एक आयोग की नियुक्ति; उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत (NWFP), सिंध और अवध के लिए विधान परिषदों का निर्माण; सैन्य व्यय को कम करना और सिविल सेवा सुधार।

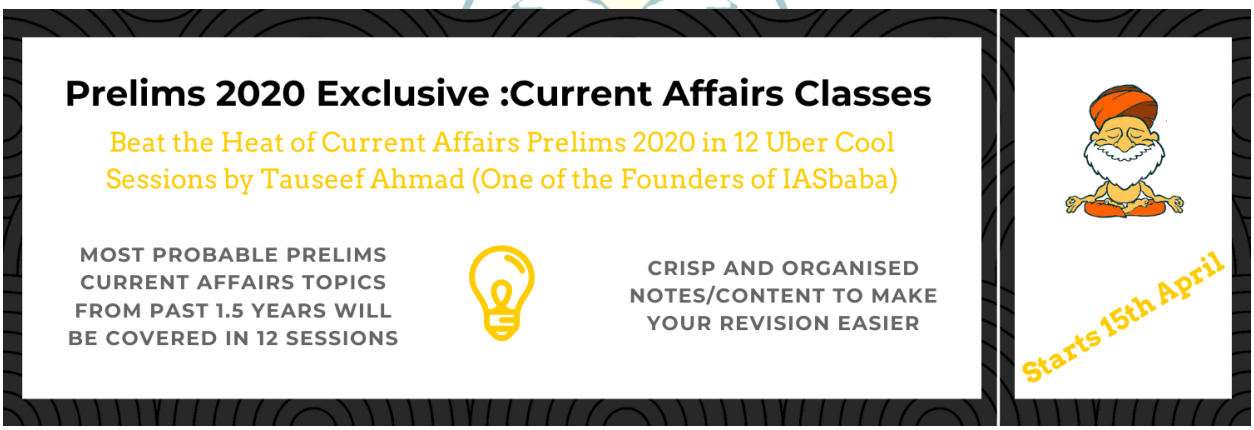

Q.3) निम्न में से कौन सी नरमपंथियों (moderates) के अंतर्गत कांग्रेस की मांग नहीं थी?

a) कृषि और आधुनिक उद्योगों के तीव्र विकास के द्वारा गरीबी उन्मूलन

b) अंग्रेजों से पूर्ण स्वतंत्रता

c) आम जनता के बीच प्राथमिक शिक्षा का प्रसार

d) नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता एवं वाक् स्वतंत्रता

Q.3) Solution (b)

नरमपंथियों की राजनीतिक माँगें

- अधिक शक्तियों के साथ विधान परिषदों का विस्तार तथा उनमें भारतीयों का अधिक प्रतिनिधित्व
- नौकरशाही और पुलिस के मनमाने कामों से लोगों को बचाने के लिए न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक करना
- प्रांतीय परिषदों का गठन और भारतीय परिषद का उन्मूलन
- अधिक भारतीयों को प्रशासन में भाग लेने का अवसर देने के लिए इंग्लैंड के साथ भारत में ICS परीक्षा आयोजित करना
- भारत के पड़ोसियों के विरुद्ध आक्रामक विदेश नीति का अंत

नरमपंथियों की आर्थिक मांग

- आर्थिक निकासी (economic drain) का अंत
- **कृषि और आधुनिक उद्योगों के तीव्र विकास के द्वारा गरीबी उन्मूलन**
- भू-राजस्व में कमी और नमक कर को समाप्त करना
- साहूकारों के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए कृषि बैंकों का विकास
- देश के अन्य भागों में स्थायी बंदोबस्त का परिचय

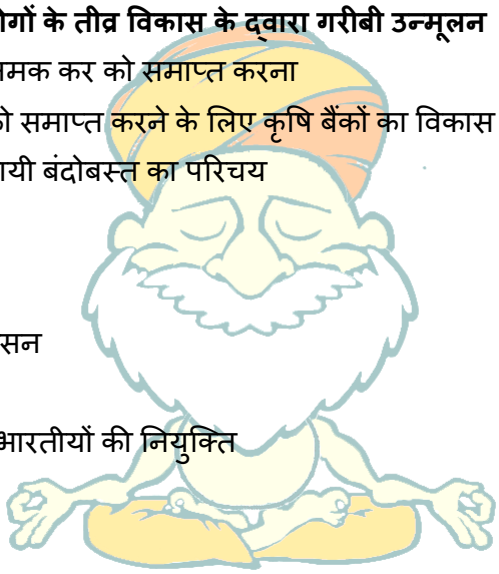

नरमपंथियों की सैन्य मांगे

- शस्त्र अधिनियम का निरसन
- सैन्य व्यय में कमी
- सेना में कमीशन रैंक पर भारतीयों की नियुक्ति

नरमपंथियों की सामाजिक माँग

- कल्याणकारी गतिविधियों पर अधिक व्यय - शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता
- नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता एवं वाक् स्वतंत्रता
- जनसाधारण की शिक्षा और जनमत को संगठित करना, लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना।
- संघ बनाने की स्वतंत्रता
- दक्षिण अफ्रीका और साम्राज्य में अन्य जगहों पर भारतीय श्रमिकों के लिए बुनियादी मानव अधिकार
- बागान मजदूरों की दशा में सुधार

Q.4) यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. बनारस के राजा शिव प्रसाद सिंह यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन के सह-संस्थापकों में से एक थे।
2. यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रचार-प्रसार का विरोध करने के लिए आयोजित किया गया था।

3. इसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय और हिंदू राष्ट्रवादियों के बीच घनिष्ठ संबंध विकसित करना था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.4) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन एक राजनीतिक संगठन था जिसकी स्थापना 1888 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैयद अहमद खान और बनारस के राजा शिव प्रसाद सिंह ने की थी।	यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रचार-प्रसार का विरोध करने के लिए किया गया था।	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विरोध में, समूह का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय और ब्रिटिश राज के बीच घनिष्ठ संबंध विकसित करना था।

Q.5) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कांग्रेस के सभी वर्ग, 'नरमपंथी' और 'चरमपंथी' बंगाल के विभाजन के विरुद्ध एकजुट थे।
2. बंगाल के विभाजन की घोषणा के बाद, 'चरमपंथियों' ने कांग्रेस के बाहर रहकर पृथक रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.5) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य

विभाजन के विरुद्ध आंदोलन तथा स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलनों के प्रसार ने कांग्रेस की नीतियों को प्रभावित किया। कांग्रेस के सभी वर्ग, 'नरमपंथी' और 'चरमपंथी' बंगाल के विभाजन के विरुद्ध एकजुट थे। हालाँकि दोनों समूहों के बीच बहिष्कार आदि का दायरा बढ़ाने पर मतभेद बने हुए थे।	आगे 'नरमपंथी' और 'चरमपंथी' एकजुट नहीं रह सके। सूरत में आयोजित,1907 के कांग्रेस अधिवेशन में, दोनों समूह आपस में भिड़ गए। कांग्रेस पूरी तरह से नरमपंथी नेताओं के प्रभुत्व में आ गई तथा कांग्रेस से बाहर 'चरमपंथियों' ने पृथक रूप से काम करना शुरू कर दिया (सूरत विभाजन के बाद)। 1916 में नौ साल बाद, दोनों समूहों को फिर से एकजुट किया गया। 1911 में, बंगाल के विभाजन की घोषणा पर दिल्ली में एक शाही दरबार आयोजित किया गया था।

Q.6) निम्नलिखित में से कौन सा संकल्प 1906 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र द्वारा पारित किया गया था?

1. स्वदेशी
2. स्वराज्य
3. बहिष्कार
4. राष्ट्रीय शिक्षा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.6) Solution (d)

- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र को विभाजन विरोधी आंदोलन और स्वदेशी आंदोलन की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया था।
- 1906 में, कलकत्ता में सत्र की अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की थी। नरमपंथियों ने कांग्रेस की अध्यक्षता के लिए दादा भाई नौरोजी को चुना।
- कांग्रेस को चरमपंथियों ने निम्नलिखित संकल्पों को अपनाने के लिए मजबूर किया, जिन्हें नरमपंथियों ने आधे मन से स्वीकार किया। ये थे
    - स्वदेशी पर संकल्प
    - स्व -शासन पर संकल्प (स्वराज)
    - बहिष्कार पर संकल्प
    - राष्ट्रीय शिक्षा परिषद पर संकल्प

- दादा भाई नौरोजी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में, 'स्वराज' को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में घोषित किया।

Q.7) भारतीय विश्वविद्यालयों अधिनियम 1904 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह शिक्षा पर हंटर कमीशन द्वारा की गई सिफारिशों पर आधारित था।
2. इसने विश्वविद्यालयों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ा दिया।
3. इसने सीनेट में न्यूनतम और अधिकतम सीटों की संख्या निश्चित करने के साथ विश्वविद्यालयों के सीनेट के चुनाव के सिद्धांत को प्रस्तुत किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.7) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
विश्वविद्यालयों को नियंत्रण में लाने के लिए, लॉर्ड कर्ज़न ने सर थॉमस रैले के अंतर्गत रैले आयोग की नियुक्ति की। इस आयोग ने 1902 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा इसके बाद रैले बिल नामक विधेयक लाया गया। रैले बिल जब एक अधिनियम बन गया, तो इसे भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904 कहा गया।	इस अधिनियम ने विश्वविद्यालयों पर सरकार का नियंत्रण बढ़ा दिया। यह विश्वविद्यालय के सीनेट द्वारा पारित नियमों पर वीटो कर सकता है। इसने सरकार को एक विश्वविद्यालय में अधिकांश अध्येताओं को नियुक्त करने की अनुमति दी। गवर्नर जनरल को अब विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय सीमा तय करने का अधिकार दिया गया था।	इस अधिनियम से पहले, विश्वविद्यालयों की सीनेट में सीटों की संख्या निर्धारित नहीं थी तथा सरकार जीवन-कालीन नामांकन करती थी। इस अधिनियम के तहत, संख्या तय की गई थी। न्यूनतम संख्या 50 थी और अधिकतम संख्या 100 थी। उनका कार्यकाल पांच वर्षों के लिए निर्धारित किया गया था। अधिनियम ने सीनेट के संविधान में चुनाव के सिद्धांत को प्रस्तुत किया। इस अधिनियम के अनुसार, 20 फेलो को मद्रास, कलकत्ता और बॉम्बे के

		विश्वविद्यालयों में और 15 अन्य विश्वविद्यालयों में चुना जाना है।

भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904 के अन्य प्रावधान

- विश्वविद्यालयों को परीक्षा का अधिकार देने के साथ-साथ शिक्षण का अधिकार दिया गया।
- विश्वविद्यालयों को अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और व्याख्याताओं को नियुक्त करने, विश्वविद्यालय प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों की स्थापना करने और छात्रों को प्रत्यक्ष निर्देशन का प्रावधान देने का अधिकार था।
- अधिनियम ने निर्धारित किया कि एक विश्वविद्यालय के अध्येताओं की संख्या पचास से कम या सौ से अधिक नहीं होगी तथा एक अध्येता को आम तौर पर जीवनकाल के बजाय छह साल की अवधि के लिए कार्यालय में रहना होगा।
- भारतीय विश्वविद्यालयों अधिनियम, 1904 ने सिंडिकेट् को वैधानिक मान्यता प्रदान की तथा विश्वविद्यालय के सीनेट में विश्वविद्यालय शिक्षकों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया।
- मान्यता देने के संबंध में नियम सख्त किए गए थे। शिक्षा के मानकों को बढ़ाने के लिए, सिंडिकेट उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले कॉलेजों का निरीक्षण कर सकता है। निजी कॉलेजों को दक्षता का एक उचित मानक रखने की आवश्यकता थी। महाविद्यालयों के संबद्धता या असंबद्धता के आवेदन के लिए सरकार की मंजूरी आवश्यक थी।

Q.8) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अपनी प्रसिद्ध पुस्तक हिंद स्वराज में, बाल गंगाधर तिलक ने घोषणा की कि ब्रिटिश शासन भारत में भारतीयों के सहयोग से स्थापित किया गया था तथा उनके सहयोग के कारण ही बचा है।
2. पुस्तक के अनुसार, यदि भारतीय सहयोग करने से इनकार करते हैं, तो भारत में ब्रिटिश शासन एक वर्ष के भीतर ढह जाएगा और स्वराज आ जाएगा।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.8) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**

अपनी प्रसिद्ध पुस्तक हिंद स्वराज में, गांधी जी ने घोषणा की कि ब्रिटिश शासन भारत में भारतीयों के सहयोग से स्थापित किया गया था तथा उनके सहयोग के कारण ही बचा है।	पुस्तक के अनुसार, यदि भारतीयों ने सहयोग करने से इनकार कर दिया, तो भारत में ब्रिटिश शासन एक वर्ष के भीतर ढह जाएगा और स्वराज आ जाएगा।

Q.9) 1916 के लखनऊ समझौते के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता रास बिहारी घोष ने की।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल स्वीकार किया।
3. बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने इस समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.9) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
कांग्रेस-लीग संधि, जिसे लखनऊ संधि के रूप में जाना जाता है, कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच संधि पर हस्ताक्षर था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ सत्र की अध्यक्षता एक नरमपंथी, अंबिका चरण मजुमदार ने की।	कांग्रेस द्वारा पृथक निर्वाचकों के सिद्धांत की स्वीकृति का अर्थ है कि कांग्रेस और लीग अलग-अलग राजनीतिक संस्थाओं के रूप में एक साथ आए।	लखनऊ समझौता बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट के संयुक्त प्रयासों से संभव हुआ, जो मदन मोहन मालवीय जैसे महत्वपूर्ण नेताओं की इच्छाओं के खिलाफ था।

Q.10) ब्रिटिश शासन के दौरान निम्नलिखित में से कौन 'होम चार्ज' (Home Charges) के घटक थे?

1. नागरिक और सैन्य ब्रिटिश अधिकारियों की पेंशन
2. विदेशी पूंजीगत निवेश पर ब्याज
3. लंदन में भारत कार्यालय प्रतिष्ठान पर खर्च

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3

c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.10) Solution (b)

- होम चार्ज भारत के राज्य सचिव की ओर से इंग्लैंड में किए गए व्यय को संदर्भित करता है। मुख्य घटक थे:
    - ईस्ट इंडिया कंपनी के शेयरधारकों को लाभांश
    - सार्वजनिक ऋण पर विदेश में दिया गया ब्याज।
    - लंदन में भारत कार्यालय प्रतिष्ठान पर खर्च
    - ब्रिटिश युद्ध कार्यालय को भुगतान
    - इंग्लैंड में स्टोर खरीद
    - भारत में नागरिक और सैन्य ब्रिटिश अधिकारियों की पेंशन
- 'आर्थिक निकासी' शब्द भारत के राष्ट्रीय उत्पाद के एक हिस्से को संदर्भित करता है, जो अपने लोगों के उपभोग के लिए उपलब्ध नहीं था, लेकिन राजनीतिक कारणों से ब्रिटेन जा रहा था तथा भारत को इसके लिए पर्याप्त आर्थिक या भौतिक लाभांश नहीं मिल रहा था।
- निकासी सिद्धांत को दादाभाई नौरोजी ने अपनी पुस्तक 'पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' में लिखा था।
- जबकि, आर्थिक निकासी में मुख्य रूप से शामिल हैं
    - सभी होम चार्ज
    - विदेशी पूंजीगत निवेश पर लाभ और मुनाफा
    - भारत में बैंकिंग, बीमा और शिपिंग सेवाओं के संबंध में भुगतान

Q.11) भारतीय आधुनिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:

1. कोमागाटामारू घटना
2. प्रशांत तट हिंदुस्तान एसोसिएशन की स्थापना
3. गांधी जी का दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटना

उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रमिक क्रम क्या है?

a) 2 - 1 - 3
b) 1 - 2 - 3
c) 2 - 3 - 1
d) 1 - 3 - 2

Q.11) Solution (a)

- 1913: नवंबर 1913 में, प्रशांत तट हिंदुस्तान एसोसिएशन की स्थापना लाला हरदयाल ने सोहन सिंह भाकना के साथ इसके अध्यक्ष के रूप में की, जिसे ग़दर पार्टी कहा जाता था।

- 1914: 23 मई 1914 को हांगकांग से 376 यात्रियों को लेकर एक भरा जापानी जहाज (कोमागाटामारू), जिसमें सबसे अधिक पंजाब के थे, जो ब्रिटिश भारत से आये प्रवासी थे, कनाडा डोमिनियन के पश्चिमी तट पर वैंकूवर के बरार्ड इनलेट में पहुंचे।
- यात्रियों, सभी ब्रिटिश विषयों, सतत मार्ग विनियमन को चुनौती दे रहे थे, नतीजतन, कोमागाटामारू को अधिकारियों द्वारा डॉकिंग से वंचित किया गया और केवल बीस लौटने वाले निवासियों, और जहाज के डॉक्टर और उनके परिवार को अंततः कनाडा में प्रवेश दिया गया।
- दो महीने के गतिरोध के बाद, जहाज को 23 जुलाई, 1914 को कनाडाई सेना द्वारा बंदरगाह से बाहर निकाल दिया गया था और बज-बज, भारत में वापस जाने के लिए मजबूर किया गया था, जहाँ उन्नीस यात्रियों को गोलियों से मार दिया गया था, तथा कई को जेल में बंद कर दिया गया था।
- 1915: गोपाल कृष्ण गोखले के अनुरोध पर, जिन्हें सी. एफ. एंड्रयूज ने उन्हें अवगत कराया, गांधी जी 9 जनवरी, 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे।

Q.12) पूना सार्वजनिक सभा के प्रतिद्वंद्वी संगठन के रूप में दक्कन सभा किसके द्वारा स्थापित की गयी थी

a) दादाभाई नौरोजी
b) बाल गंगाधर तिलक
c) गोपाल कृष्ण गोखले
d) बिपिन चंद्र पाल

Q.12) Solution (c)

- बाल गंगाधर तिलक के साथ गोपाल कृष्ण गोखले का एक बड़ा अंतर एक प्रमुख मुद्दा, ब्रिटिश साम्राज्यवादी सरकार द्वारा 1891-92 में प्रस्तुत किया गया एज ऑफ कंसेंट बिल था।
- हालांकि विधेयक बॉम्बे प्रेसीडेंसी में कानून बन गया। दोनों नेताओं ने पूना सार्वजनिक सभा के नियंत्रण के लिए भी प्रयास किया। तिलक ने 1895 में पूना सार्वजनिक सभा पर अधिकार कर लिया।
- गोखले ने अपने गुरु, एम जी रानाडे के मार्गदर्शन के साथ, 1896 में पूना सार्वजनिक सभा के प्रतिद्वंद्वी संगठन के रूप में दक्कन सभा की शुरुआत की।
- 1905 में, जब गोखले को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया तथा वह अपनी राजनीतिक शक्ति के चरम पर थे, उन्होंने सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की, जो विशेष रूप से उनके दिल में सबसे प्रिय कारणों में से एक थी: भारतीय शिक्षा का विस्तार।

Q.13) निम्नलिखित में से कौन सी घटना लॉर्ड रिपन के कार्यकाल से जुड़ी हो सकती है?

1. वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू किया गया
2. इल्बर्ट बिल प्रस्तुत किया गया था
3. स्थानीय स्व-शासन पर एक संकल्प
4. द्वितीय अफगान युद्ध आरंभ हुआ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1, 2 और 3
d) केवल 2, 3 और 4

Q.13) Solution (b)

लॉर्ड रिपन (1880-1884)

- वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट का निरसन (1882)
- श्रम की स्थिति में सुधार के लिए पहला कारखाना अधिनियम (1881)।
- वित्तीय विकेंद्रीकरण की निरंतरता
- स्थानीय स्वशासन पर सरकार का संकल्प (1882) इसलिए लॉर्ड रिपन को भारत में स्थानीय स्वशासन के पिता के रूप में जाना जाता है
- सर विलियम हंटर की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग की नियुक्ति (1882)
- इलबर्ट बिल विवाद (1883-84)
- 1881 में मैसूर की पुनर्स्थापना।

लॉर्ड लिटन (1876-1880)

- 1876-78 का अकाल, जिसने मद्रास, बंबई, मैसूर, हैदराबाद, मध्य भारत और पंजाब के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया
- रिचर्ड स्ट्रेची (1878) की अध्यक्षता में अकाल आयोग की नियुक्ति
- रॉयल टाइटल एक्ट (1876), क्वीन विक्टोरिया ने 'कैसर-ए-हिंद' या भारत की महारानी का खिताब ग्रहण किया।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878 में लागू किया गया था
- शस्त्र अधिनियम (1878)
- द्वितीय अफगान युद्ध (1878-80)

Q.14) भारतीय परिषद अधिनियम 1909 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अधिनियम में पहली बार वायसराय की कार्यकारी परिषदों में भारतीयों की संबद्धता के लिए प्रावधान प्रदान किया गया।
2. अधिनियम ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल प्रस्तुत किए।
3. अधिनियम ने सदस्यों के लिए बिना कोई अनुपूरक प्रश्न पूछे बजट और सार्वजनिक हित के मामले पर चर्चा करने के लिए प्रावधान प्रदान किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (a)

- 1909 के भारतीय परिषद अधिनियम को मॉर्ले-मिंटो सुधार के रूप में भी जाना जाता है (लॉर्ड मॉर्ले भारत के तत्कालीन सचिव थे और लॉर्ड मिंटो भारत के तत्कालीन वायसराय थे)
- प्रमुख प्रावधान इस प्रकार थे:
    - इसने केंद्रीय और प्रांतीय दोनों विधान परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की। केंद्रीय विधान परिषद में सदस्यों की संख्या 16 से बढ़ाकर 60 कर दी गई थी। प्रांतीय विधान परिषदों में सदस्यों की संख्या एक समान नहीं थी।
    - इसने केंद्रीय विधान परिषद में आधिकारिक बहुमत बनाए रखा लेकिन प्रांतीय विधान परिषदों को गैर-आधिकारिक बहुमत दिया।
    - इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों के जानबूझकर कार्यों को बढ़ाया। उदाहरण के लिए, सदस्यों को अनुपूरक प्रश्न पूछने, बजट पर प्रस्तावों को स्थानांतरित करने आदि की अनुमति दी गई।
    - निर्वाचित सदस्यों को अप्रत्यक्ष रूप से चुना गया था। स्थानीय निकाय एक निर्वाचक मंडल का चुनाव करते थे जो प्रांतीय विधान परिषदों के सदस्यों का चुनाव करता था। ये सदस्य, केंद्रीय विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव करते हैं।
    - निर्वाचित सदस्य स्थानीय निकायों, वाणिज्य मंडलों, जमींदारों, विश्वविद्यालयों, व्यापारियों के समुदायों और मुसलमानों से थे।
    - इसने पहली बार वायसराय की कार्यकारी परिषदों में भारतीयों की संबद्धता के लिए प्रावधान प्रदान किया गया। सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यकारी परिषद में शामिल होने वाले पहले भारतीय बने। उन्हें कानून सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।
    - इसने 'पृथक निर्वाचक मंडल' की अवधारणा को स्वीकार करके मुसलमानों के लिए सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की एक प्रणाली प्रस्तुत की। इसके तहत मुस्लिम सदस्यों का चुनाव केवल मुस्लिम मतदाताओं द्वारा किया जाना था। इस प्रकार, अधिनियम ने 'सांप्रदायिकता को वैध कर दिया' और लॉर्ड मिन्टो को सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक के रूप में जाना जाने लगा।
    - सदस्य बजट पर चर्चा कर सकते हैं और प्रस्तावों को आगे बढ़ा सकते हैं। वे जनहित के मामलों पर भी चर्चा कर सकते हैं और पूरक प्रश्न भी पूछ सकते हैं।
    - इसने प्रेसीडेंसी कॉरपोरेशनों, वाणिज्य मंडलों, विश्वविद्यालयों और जमींदारों के अलग-अलग प्रतिनिधित्व के लिए भी प्रावधान प्रदान किया।

Q.15) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

समाचार पत्र / जर्नल	संबद्ध व्यक्तित्व
1. अमृता बाजार पत्रिका	मोती लाल घोष
2. दर्पण	गोपाल हरि देशमुख
3. स्वदेशी मित्रन	एस. सुब्रमण्यन अय्यर

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.15) Solution (c)

- अमृता बाजार पत्रिका, 1868 में सिसिर कुमार घोष और मोतीलाल घोष द्वारा आरंभ किया गया एक बंगाली अखबार था।
- बाल शास्त्री जामबेकर को 1832 में 'दर्पण' नाम से पहले अखबार के साथ मराठी भाषा में पत्रकारिता शुरू करने के प्रयासों के लिए मराठी पत्रकारिता के पिता के रूप में भी जाना जाता है।
- स्वदेशी मित्रन (1882) भारतीय राष्ट्रवादी जी. सुब्रमण्य अय्यर द्वारा स्थापित आरंभिक तमिल अखबारों में से एक था, जब उन्होंने द हिंदू (1878) आरंभ किया था।

Q.16) क्रांतिकारियों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) श्यामजी कृष्णवर्मा ने लंदन में इंडिया होम रूल सोसाइटी की स्थापना की।
b) काबुल में स्वतंत्र भारत की अस्थाई सरकार ने एम. बरकतुल्ला को अपने राष्ट्रपति के रूप में घोषित किया गया था।
c) मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को फहराया।
d) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

Q.16) Solution (b)

- इंडियन होम रूल सोसाइटी (IHRS) की स्थापना फरवरी 1905 में श्यामजी कृष्ण वर्मा ने अन्य उल्लेखनीय प्रवासी भारतीयों जैसे भीकाजी कामा, एस.आर. राणा और लाला लाजपत राय, ब्रिटिश कमेटी ऑफ़ कांग्रेस के एक प्रतिद्वंद्वी संगठन के रूप में सेवा करने के लिए किया था।
- 1 दिसंबर, 1915 को काबुल, अफगानिस्तान में क्रांतिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति के रूप में राजा महेंद्र प्रताप और प्रधानमंत्री के रूप में एम. बरकतुल्ला के साथ स्वतंत्र भारत की एक अस्थाई सरकार की घोषणा की।
- 21 अगस्त, 1907 को जर्मनी के स्टटगार्ट में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन में मैडम भीकाजी कामा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के पहले संस्करण- हरे, केसरिया और लाल पट्टियों का एक तिरंगा फहराया।

Q.17) भारत में होम रूल आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रथम विश्व युद्ध का आरंभ होना भारत में होम रूल आंदोलन के उदय के लिए प्रमुख कारकों में से एक था।
2. बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट ने अलग-अलग भारत में होम रूल लीग आरंभ की थी।
3. इन दोनों लीगों का भारत में स्व-शासन प्राप्त करने का सामान्य उद्देश्य था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.17) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
होम रूल आंदोलन प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि में आरंभ हुआ, जब राष्ट्रवादियों के एक वर्ग का मानना था कि "ब्रिटेन की कठिनाई भारत का अवसर है"। इसलिए प्रथम विश्व युद्ध भारत में होम रूल आंदोलन के उदय का कारक था।	तिलक और एनी बेसेंट द्वारा अलग-अलग दो होम रूल लीग आरंभ की गयी थी। तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाम में इंडियन होम रूल लीग की शुरुआत की। एनी बेसेंट ने मद्रास में सितंबर 1916 में होम रूल लीग की शुरुआत की।	उनका भारत में स्व-शासन प्राप्त करने का सामान्य उद्देश्य था।

- तिलक की लीग ने महाराष्ट्र (बॉम्बे को छोड़कर), कर्नाटक, बरार और मध्य प्रांत में काम किया। बेसेंट की लीग ने देश के बाकी हिस्सों में काम किया।
- होम रूल आंदोलन के अन्य उद्देश्य थे:
    - स्व-शासन के लिए आंदोलन स्थापित करने के लिए राजनीतिक शिक्षा और चर्चा को बढ़ावा देना;
    - सरकार के दमन के खिलाफ बोलने के लिए भारतीयों में विश्वास पैदा करना;
    - ब्रिटिश सरकार से भारतीयों के लिए एक बड़े राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग करना;
    - कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए भारत में राजनीतिक गतिविधि को पुनर्जीवित करना

Q.18) संघों और इसके गठन में शामिल व्यक्तित्वों के बारे में निम्नलिखित में से कौन सी जोड़ी सही ढंग से सुमेलित है?

1. स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी - गाज़ुलु लक्ष्मीनारासु चेट्टी
2. स्वदेश बांधव समिति - बिपिन चंद्र पाल
3. बंगाल केमिकल एंड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड - प्रफुल्ल चंद्र रे

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.18) Solution (b)

- वी. ओ. चिदंबरम पिल्लई ने स्वदेशी आंदोलन को मद्रास तक फैलाया तथा तूतीकोरिन कोरल मिल की हड़ताल का आयोजन किया। उन्होंने तूतीकोरिन में स्वदेशी स्टीम नेविगेशन कंपनी की स्थापना की।
- अश्विनी कुमार दत्ता (1856 - 1923) एक बंगाली शिक्षाविद, समाज सुधारक और राष्ट्रवादी थे। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन के दौरान स्वदेशी उत्पादों के उपभोग को बढ़ावा देने और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए स्वदेश बांधव समिति की स्थापना की।
- बंगाल केमिकल एंड फ़ार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड (BCPW) कोलकाता, पश्चिम बंगाल में 1901 में प्रफुल्ल चंद्र रे द्वारा स्थापित किया गया था, यह भारत की पहली दवा कंपनी है।
- लोकमान्य तिलक ने सहकारी भंडार खोले और स्वदेशी वस्तु प्रचारिणी सभा की अध्यक्षता की।

Q.19) निम्न क्रांतिकारियों में से किसने, भारत के राज्य सचिव के राजनीतिक सहयोगी कर्नल विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या की?

a) मदन लाल ढींगरा
b) भूपेंद्रनाथ दत्ता
c) सोहन सिंह भाकना
d) करतार सिंह सराभा

Q.19) Solution (a)

- मदन लाल ढींगरा (1883-1909) एक क्रांतिकारी स्वतंत्रता कार्यकर्ता थे। ढींगरा 1905 में पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चले गए तथा श्यामजी कृष्ण वर्मा और वी डी सावरकर जैसे स्वतंत्रता कार्यकर्ताओं के संपर्क में आए।
- 1 जुलाई 1909 को, लंदन में, मदन लाल ढींगरा ने भारत के राज्य सचिव के राजनीतिक सहयोगी, कर्नल विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद मदन लाल ढींगरा को पकड़ लिया गया और उन्हें फांसी दे दी गई।

Q.20) अगस्त 1917 की घोषणा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे भारत के वायसराय एडविन सैमुअल मोंटेग्यु द्वारा घोषित किया गया था।
2. घोषणा में भारत में उत्तरदायी सरकार के क्रमिक विकास की नीति का वादा किया गया था।
3. इसे बिना किसी आपत्ति के होम रूल आंदोलन के नेताओं द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.20) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
भारत के सचिव, एडविन सैमुअल मोंटेग्यु ने 20 अगस्त, 1917 को ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में 1917 के अगस्त घोषणा के रूप में जाना जाने वाला एक बयान दिया।	बयान में कहा गया है: "सरकार की नीति प्रशासन की प्रत्येक शाखा में भारतीयों की बढ़ती भागीदारी और स्वशासी संस्थाओं के क्रमिक विकास	राष्ट्रवादियों ने इसकी आलोचना की, क्योंकि इसमें उनकी वैध अपेक्षाओं का अभाव था। इस घोषणा की दिसंबर 1917 में कलकत्ता अधिवेशन में आलोचना

	की है, जो ब्रिटिश साम्राज्य के अभिन्न अंग के रूप में भारत में उत्तरदायी सरकार की प्रगतिशील प्राप्ति के दृष्टिकोण से है।"	की गई, जिसमें एनी बेसेंट ने अध्यक्ष के रूप में भारत में स्व - शासन की स्थापना का अनुरोध किया। तिलक ने मोंटेग्यु के सुधारों को "अयोग्य और निराशाजनक- एक धूप रहित सुबह" कहा।

- उसके बाद, स्वशासन या होम रूल के लिए राष्ट्रवादियों की मांग को देशद्रोही नहीं कहा जा सकता क्योंकि भारतीयों के लिए स्व-शासन की प्राप्ति अब एक सरकारी नीति बन गई, 1909 में मॉर्ले के बयान के विपरीत, जिसमें सुधारों का उद्देश्य भारत को स्व-शासन देना नहीं था।
- मोंटेग्यु के बयान पर भारतीय नेताओं की आपत्ति थी-
    - कोई विशेष समय सीमा नहीं दी गई थी।
    - अकेले सरकार को एक उत्तरदायी सरकार की प्रकृति और अग्रिम का समय तय करना था, तथा भारतीयों में नाराजगी थी कि अंग्रेज यह तय करेंगे कि भारतीयों के लिए क्या अच्छा था और क्या बुरा।

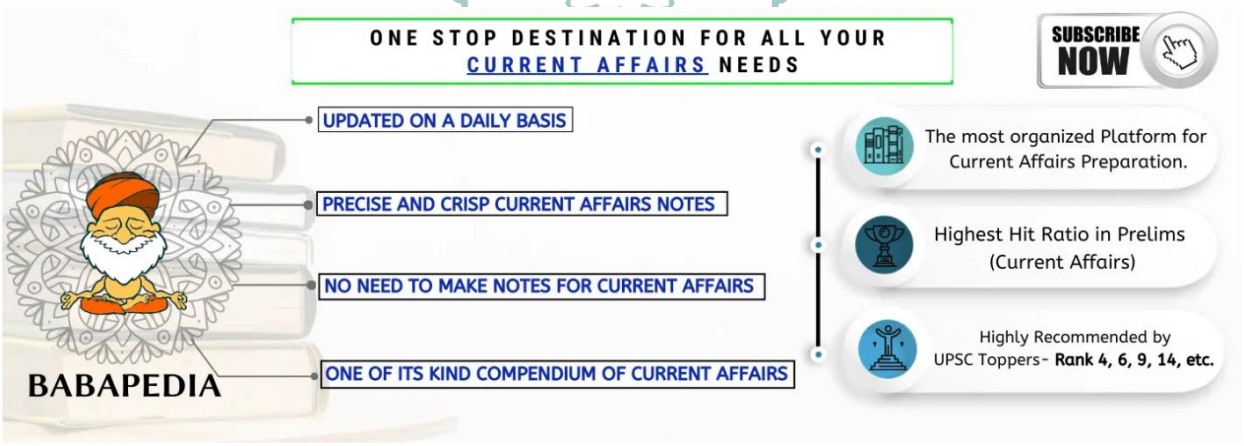

Q.21) जलियांवाला बाग नरसंहार के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी के विरोध में शांतिपूर्वक धरना देने के लिए कई ग्रामीणों के पार्क में इकट्ठा होने पर नरसंहार हुआ।
2. रवींद्रनाथ टैगोर और एस सुब्रमण्यन अय्यर ने नरसंहार के विरोध में अपना नाइटहुड त्याग दिया।
3. भारत सरकार ने त्रासदी की जांच के लिए बटलर समिति का गठन किया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा गलत है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.21) Solution (c)

- जलियाँवाला बाग नरसंहार, जिसे अमृतसर नरसंहार के रूप में भी जाना जाता है, 13 अप्रैल 1919 को हुआ था, जब कार्यरत ब्रिगेडियर-जनरल रेजिनाल्ड डायर ने ब्रिटिश भारतीय सेना के सैनिकों को आदेश दिया था कि वे अमृतसर, पंजाब के जलियांवाला बाग में निहत्थे भारतीय नागरिकों की भीड़ पर अपनी राइफ़लों से फायर करें, जिसमें पुरुषों और महिलाओं सहित कम से कम 400 लोगों की हत्या हुई थी और 1,000 से अधिक लोग घायल हुए थे।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
नरसंहार तब हुआ जब कई ग्रामीण बैसाखी के दिन के जश्न के लिए पार्क में एकत्र हुए तथा दो राष्ट्रीय नेताओं, **सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी और निर्वासन का शांतिपूर्वक विरोध कर रहे थे।**	**रवींद्रनाथ टैगोर ने विरोध में अपना नाइटहुड** त्याग दिया था। गांधी जी ने कैसर-ए-हिंद की उपाधि त्यागी थी। **एस सुब्रमण्यम अय्यर ने एनी बेसेंट की गिरफ्तारी पर 1917 में नाइटहुड त्याग** कर दिया था।	एडविन मोंटेग्यु ने आदेश दिया कि मामले की जाँच के लिए एक जाँच समिति बनाई जाए। इसलिए, 14 अक्टूबर, 1919 को, भारत सरकार ने अव्यवस्था जांच समिति के गठन की घोषणा की, जिसे **हंटर समिति / आयोग** के नाम से अधिक जाना जाता है।

Q.22) 1919 के मोंटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार ने प्रांतीय सरकारों में निम्नलिखित में से कौन सा परिवर्तन आरंभ किया?

1. पृथक बजट प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत
2. द्विसदनीय विधानमंडल
3. विषय हस्तांतरित और आरक्षित सूची में विभाजित थे

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.22) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
अधिनियम ने पहली बार **प्रांतीय और केंद्रीय बजट को अलग किया**, प्रांतीय विधानसभाओं को अपने बजट बनाने के लिए अधिकृत किया गया।	1919 अधिनियम के तहत, केंद्र में भारतीय विधान परिषद को एक **द्विसदनीय प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित** किया गया था जिसमें एक राज्य परिषद (उच्च सदन) और एक विधान सभा (निचला सदन) शामिल था। भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता की शुरुआत की।	1919 के अधिनियम ने **प्रांतीय विषयों को दो भागों- हस्तांतरित और आरक्षित** में विभाजित किया। हस्तांतरित विषयों को राज्यपाल द्वारा विधान परिषद के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों की सहायता से प्रशासित किया जाना था। दूसरी ओर, आरक्षित विषयों को गवर्नर और उनकी कार्यकारी परिषद द्वारा संचालन करना था।

- भारत सरकार अधिनियम 1919 या मोंटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार के अन्य महत्वपूर्ण प्रावधान:
    - अधिनियम, 1919 के तहत, **द्वैधशासन** को प्रांतों में दो मुख्य उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रस्तुत किया गया था। पहला, लोकप्रिय प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी देना और दूसरा, भारतीय लोगों की राजनीतिक पिछड़ेपन और प्रशासनिक अनुभवहीनता की स्थिति को पूरा करना।
    - सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को मुस्लिमों के अलावा सिखों, ईसाइयों और एंग्लो-इंडियन के लिए पृथक-पृथक निर्वाचकों के साथ विस्तृत किया गया था।
    - भारत के लिए एक उच्चायुक्त को नियुक्त किया गया था, भारत के लिए राज्य सचिव द्वारा किए गए कुछ कार्यों को उच्चायुक्त को हस्तांतरित किया गया था।
    - भारत के राज्य सचिव, जो भारतीय राजस्व से अपना वेतन प्राप्त करते थे, अब ब्रिटिश राजकोष द्वारा भुगतान किया जाना था।
    - यह प्रावधान था कि अधिनियम पर रिपोर्ट करने के लिए अधिनियम के दस वर्ष बाद एक रॉयल आयोग नियुक्त किया जाएगा।

Q.23) गांधी जी द्वारा अपनायी गयी तकनीकों के साथ निम्नलिखित राजनीतिक आंदोलन का मिलान करें:

1. चंपारण सत्याग्रह	A. प्रथम भूख हड़ताल
2. अहमदबाद मिल हड़ताल	B. प्रथम सामूहिक हड़ताल

3. खेड़ा सत्याग्रह	C. प्रथम सविनय अवज्ञा
4. रोलेट सत्याग्रह	D. प्रथम असहयोग

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1-B; 2-D; 3-A; 4-C
b) 1-C; 2-A; 3-D; 4-B
c) 1-D; 2-C; 3-A; 4-B
d) 1-C; 2-D; 3-B; 4-A

Q.23) Solution (b)

- भारत में गांधी जी के पहले राजनीतिक आंदोलन में चंपारण, अहमदाबाद और खेड़ा संघर्ष शामिल थे। ये सभी स्थानीय स्तर पर आंदोलन थे तथा गांधी जी को एक ऐसे व्यक्ति की प्रतिष्ठा मिली जो जमीनी स्तर पर कार्य करते हैं।
- इन आंदोलनों ने भारतीय धरती पर उनकी तकनीकों का सफलतापूर्वक परीक्षण भी किया।
    - 1917 का चंपारण सत्याग्रह - प्रथम सविनय अवज्ञा।
    - 1918 की अहमदबाद मिल हड़ताल - प्रथम भूख हड़ताल।
    - 1918 का खेड़ा सत्याग्रह - प्रथम असहयोग।
    - 1919 का रौलट सत्याग्रह - प्रथम सामूहिक हड़ताल।

Q.24) निम्नलिखित में से किस घटना के प्रतिउत्तर में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया था?

a) अखिल भारतीय खिलाफत समिति का गठन
b) मोपला विद्रोह
c) जलियांवाला बाग नरसंहार
d) चौरी चौरा घटना

Q.24) Solution (d)

- **चौरी चौरा आक्रोश** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में **5 फरवरी 1922** को महात्मा गांधी द्वारा **असहयोग आंदोलन को वापस लेने का मुख्य कारण** था।
- कुछ पुलिसकर्मियों के व्यवहार से चिढ़कर भीड़ के एक हिस्से ने पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस ने गोलियां चलाईं। इस पर, पूरे जुलूस ने पुलिस पर हमला किया और जब बाद में थाने के अंदर छिप गए, तो भवन में आग लगा दी। भागने की कोशिश करने वाले पुलिसकर्मियों को टुकड़ों में काट दिया गया तथा आग में फेंक दिया गया। सभी 22 पुलिसकर्मी मारे गए।
- घटना सुनने के बाद, गांधी जी ने आंदोलन वापस लेने का फैसला किया।

- उन्होंने अपने फैसले की पुष्टि के लिए कांग्रेस कार्यसमिति को भी राजी कर लिया। इस प्रकार 12 फरवरी 1922 को बारदोली प्रस्ताव पारित करके कांग्रेस कार्य समिति ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का समर्थन किया।

Q.25) निम्नलिखित नेताओं में से किसने 1921 के अहमदबाद सत्र में कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में पूर्ण स्वतंत्रता को अपनाने का प्रस्ताव रखा था।

a) हकीम अजमल खान
b) लाला लाजपत राय
c) चित्तरंजन दास
d) हसरत मोहानी

Q.25) Solution (d)

- **हसरत मोहानी (1878 - 1951)** एक भारतीय कार्यकर्ता, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता और उर्दू भाषा के एक प्रसिद्ध कवि थे।
- उन्होंने 1921 में उल्लेखनीय नारा इंकलाब जिंदाबाद गढ़ा था।
- वे अखिल भारतीय खिलाफत समिति के सदस्य थे।
- स्वामी कुमारानंद के साथ, उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अहमदाबाद सत्र में 1921 में **भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करने वाले पहले व्यक्ति** के रूप में माना जाता था।
- अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता चितरंजन दास ने की थी। चितरंजन दास जब जेल में थे, तब हकीम अजमल खान कार्यवाहक अध्यक्ष थे।

Q.26) निम्नलिखित में से कौन स्वराजवादी (Swarajists) थे?

1. मोतीलाल नेहरू
2. विट्ठलभाई पटेल
3. एम ए अंसारी
4. जवाहर लाल नेहरू
5. सुभाष चंद्र बोस

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 2, 4 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 5

Q.26) Solution (a)

- विधान परिषदों में प्रवेश की वकालत करने वालों को 'स्वराजवादियों' के रूप में जाना जाता है, जबकि सी. राजगोपालाचारी, वल्लभभाई पटेल, **राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू और एम ए अंसारी** के नेतृत्व में विचार के दूसरे स्कूल को '**नो-चेंजर्स' (अपरिवर्तनवादी)** के रूप में जाना जाने लगा। ।
- 'नो-चेंजर्स' ने परिषद् में प्रवेश का विरोध किया, रचनात्मक कार्य पर एकाग्रता की वकालत की तथा बहिष्कार और असहयोग जारी रखा और निलंबित सविनय अवज्ञा कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए शांत तैयारी आरंभ की।
- सी. आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने 1923 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया तथा चिरतंजन दास के अध्यक्ष के रूप में और मोतीलाल नेहरू सचिव के रूप में कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी या स्वराजवादी पार्टी के गठन की घोषणा की।
- 'प्रो चेंजर्स' (परिवर्तनवादियों) या 'स्वराजवादियों' में चितरंजन दास, **मोतीलाल नेहरू**, अजमल खान, एन सी केलकर, **सुभाष चंद्र बोस, विट्ठलभाई पटेल** और हुसैन शहीद सुहरावर्दी शामिल थे।

Q.27) नेहरू रिपोर्ट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारतीय नेताओं द्वारा बर्कनहुड चुनौती के लिए एक प्रतिक्रिया थी।
2. रिपोर्ट में भारत के लिए पूर्ण स्वराज की मांग की गई थी।
3. इसने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और महिलाओं के लिए समान अधिकारों की सिफारिश की।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.27) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
मोतीलाल नेहरू की रिपोर्ट 1928 पं. मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता वाली एक समिति की रिपोर्ट थी। यह समिति तब बनाई गई थी जब भारत के राज्य सचिव लॉर्ड बीरकेनहुड ने भारतीय नेताओं को देश के लिए एक संविधान का	नेहरू रिपोर्ट ने भारत द्वारा वांछित सरकार के रूप में **डोमिनियन स्टेटस** की मांग की। इसने पृथक सांप्रदायिक मतदाताओं के सिद्धांत को खारिज कर दिया, जिस पर पिछले संवैधानिक सुधार आधारित थे। केंद्र और प्रांतों में सीटें मुस्लिमों	रिपोर्ट में केंद्र के पास अवशिष्ट शक्तियों के साथ सरकार के एक संघीय रूप की भी सिफारिश की गई है। केंद्र में द्विसदनीय विधायिका होगी। विधायिका के लिए मंत्रालय उत्तरदायी होगा। एक **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार,**

मसौदा तैयार करने के लिए कहा था (**जिसे बर्कनहुड चुनौती कहा जाता है)।**	के लिए आरक्षित होंगी, जिसमें वे अल्पसंख्यक थे, लेकिन उनमें नहीं, जहां उनके पास संख्यात्मक बहुमत था।	**महिलाओं के लिए समान अधिकार**, यूनियनों के गठन की स्वतंत्रता, और किसी भी रूप में धर्म से राज्य के पृथक्करण के लिए भी सिफारिश की गई है।

Q.28) निम्नलिखित में से कौन सी घटना सविनय अवज्ञा आंदोलन का एक हिस्सा थी?

1. धरसना सत्याग्रह
2. सर्वेंट ऑफ़ गॉड मूवमेंट
3. शोलापुर उपद्रव

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.28) Solution (d)

- नमक सत्याग्रह के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में सविनय अवज्ञा आंदोलन के एक हिस्से के रूप में कई अन्य घटनाएं हुईं। इनमें धरसना सत्याग्रह, पेशावर में खान अब्दुल गफ्फार खान की गिरफ्तारी, वन सत्याग्रह, ज़मीदार क्षेत्रों में चौकीदारी विरोधी आंदोलन, असम में कनिंघम विरोधी आंदोलन, शोलापुर विद्रोह आदि शामिल हैं।
- **धरसना सत्याग्रह:** 21 मई 1930 को, सरोजिनी नायडू, इमाम साहब और गांधीजी के बेटे मणिलाल ने गुजरात में धरसना नमक इकाई में नमक कानूनों को अस्वीकृत करने के लिए 200 सत्याग्रहियों के एक समूह का नेतृत्व किया।
- **खुदाई खिदमतगार (भगवान के सेवक) आंदोलन:** 23 अप्रैल 1930 को, उत्तर पश्चिम सीमा प्रांत में कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के कारण पेशावर में अभूतपूर्व परिमाण का सामूहिक प्रदर्शन हुआ। खान अब्दुल गफ्फार खान के नेतृत्व में खुदाई खिदमतगार आंदोलन, भारत के उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत में अंग्रेजों का विरोध करने के लिए अहिंसक रूप से लामबंद हो गया। आंदोलन के सदस्य लाल वर्दी के कारण "रेड शर्ट" या "सुर्ख पॉश" के रूप में जाने जाते थे।
- **शोलापुर उपद्रव:** औद्योगिक शहर शोलापुर (महाराष्ट्र) में 7 मई 1930 को सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। कस्बे में वर्चस्व रखने वाले कपड़ा कर्मचारी हड़ताल पर चले गए, शराब की दुकानों को जला दिया और सरकारी प्राधिकरण के सभी प्रतीकों पर हमला किया गया।

Q.29) भारत छोड़ो आंदोलन, 1942 के दौरान निम्नलिखित में से कौन सा नेता भूमिगत गतिविधि के चरण से जुड़े थे?

1. जयप्रकाश नारायण
2. अरुणा आसफ अली
3. रामनंदन मिश्रा
4. उषा मेहता

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 4
b) केवल 3 और 4
c) केवल 2, 3 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.29) Solution (d)

- भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे उल्लेखनीय तत्व भूमिगत नेटवर्क का उदय था। क्रूर सरकारी दमन के कारण खुले में काम करने में असमर्थ, भूमिगत नेटवर्क देश के विभिन्न हिस्सों में उभरने लगे।
- 9 नवंबर 1942 को, **जयप्रकाश नारायण और रामनंदन मिश्रा** हजारीबाग जेल से नेपाल की सीमा में भाग गए तथा वहां से भूमिगत आंदोलन किया।
- इन गतिविधियों में भाग लेने वाले समाजवादी, फॉरवर्ड ब्लॉक सदस्य, गांधी आश्रमवासी, क्रांतिकारी राष्ट्रवादी और स्थानीय संगठन थे जो बंबई, पूना, सतारा, बड़ौदा और गुजरात, कर्नाटक, केरल, आंध्र, संयुक्त प्रांत, बिहार और दिल्ली के अन्य हिस्सों में थे।
- भूमिगत गतिविधि करने वाले अन्य मुख्य व्यक्तित्व राममनोहर लोहिया, **अरुणा आसफ अली, उषा मेहता,** बीजू पटनायक, छोटूभाई पुराणिक, अच्युत पटवर्धन, सुचेता कृपलानी और आर.पी. गोयनका थे। उषा मेहता ने बंबई में एक भूमिगत रेडियो आरंभ किया था।

Q.30) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लॉर्ड लिनलिथगो द्वारा 'अगस्त प्रस्ताव' द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संविधान सभा की स्थापना के लिए प्रस्तावित था।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अगस्त प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया तथा बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, भारतीयों के सहयोग को सुरक्षित करने के लिए, वायसराय **लॉर्ड लिनलिथगो** ने 8 अगस्त 1940 को एक घोषणा की, जिसे '**अगस्त प्रस्ताव**' के रूप में जाना जाता था। इसने भारत के उद्देश्य के रूप में डोमिनियन का दर्जा प्रस्तावित किया; भारतीयों के युद्ध के बाद वाइसराय की **कार्यकारी परिषद का विस्तार और एक संविधान सभा की स्थापना** प्रस्तावित की।	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अगस्त 1940 में वर्धा में अपनी बैठक में इस प्रस्ताव को **अस्वीकार** कर दिया। इसने औपनिवेशिक शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की। जवाहरलाल नेहरू ने टिप्पणी की कि डोमिनियन की अवधारणा मृत के समान थी। इसके बाद, **महात्मा गांधी** ने स्वतंत्र भाषण के अधिकार की पुष्टि करने के लिए **व्यक्तिगत सत्याग्रह** की शुरुआत की। उन्होंने एक बड़े सत्याग्रह से परहेज किया क्योंकि वह हिंसा नहीं चाहते थे।

Q.31) निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:

1. बारदोली सत्याग्रह
2. वायकोम सत्याग्रह
3. झंडा सत्याग्रह

उपरोक्त घटनाओं से कौन सा कालानुक्रमिक अनुक्रम सही है?

a) 2 - 1 - 3
b) 3 - 1 - 2
c) 2 - 3 - 1
d) 3 - 2 - 1

Q.31) Solution (d)

- सही क्रम: ध्वज सत्याग्रह (1923) - वायकोम सत्याग्रह (1924-25) - बारदोली सत्याग्रह (1928)।
- **1923: नागपुर / ध्वज सत्याग्रह** - नागपुर शहर के कुछ क्षेत्रों में कांग्रेस के झंडे के उपयोग पर प्रतिबंध के खिलाफ संगठित था। इसने बहुत उत्साह नहीं दिखाया और एक समझौता के साथ समाप्त हो गया।
- **1924-25: वायकॉम सत्याग्रह** - केरल के हिंदू समाज में छुआछूत और जातिगत भेदभाव के खिलाफ पूर्ववर्ती त्रावणकोर में एक सत्याग्रह (सामाजिक विरोध) जो टी. के. माधवन और के. केलप्पन के नेतृत्व में किया गया।
- **1928: बारदोली सत्याग्रह** - मौजूदा भूमि राजस्व पर 30% की वृद्धि के खिलाफ (बाद में 21.97% तक कम) बारदोली (गुजरात) में वल्लभभाई पटेल द्वारा आयोजित जिसके परिणामस्वरूप भूमि राजस्व में 6.3% की कमी हुई।

Q.32) ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 और व्यापार विवाद अधिनियम, 1929 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अधिनियम ने ट्रेड यूनियनों को वैधानिक संघों के रूप में मान्यता दी।
2. अधिनियम ने ट्रेड यूनियन राजनीतिक गतिविधियों को उदार बनाया।
3. अधिनियम ने सभी परिस्थितियों में सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं जैसे पोस्ट ऑफिस, रेलवे, पानी और बिजली पर हड़ताल को अवैध बना दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.32) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 ने ट्रेड यूनियनों को वैधानिक संघों के रूप में मान्यता दी तथा ट्रेड यूनियन गतिविधियों के पंजीकरण और विनियमन के लिए शर्तें रखीं।	ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 ने वैध गतिविधियों के लिए अभियोजन पक्ष से ट्रेड यूनियनों के लिए, क्रिमिनल और सिविल दोनों को सुरक्षित किया, लेकिन उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर कुछ प्रतिबंध लगा दिए।	ट्रेड डिस्प्यूट्स एक्ट (TDA), 1929 ने पोस्ट ऑफिस, रेलवे, पानी और बिजली जैसी सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल को तब तक अवैध किया गया, जब तक कि हड़ताल पर जाने की योजना बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने प्रशासन को एक महीने का अग्रिम नोटिस नहीं दिया; जबरन या विशुद्ध रूप से राजनीतिक स्वभाव की ट्रेड यूनियन गतिविधि और यहां तक कि सहानुभूतिपूर्ण हड़ताल भी अवैध कर दी गयी।

Q.33) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

आयोग	संबद्धता

1. लिनलिथगो आयोग	द्वैधशासन पर कार्य
2. ली आयोग	सिविल सेवा सुधार
3. व्हिटली आयोग	कृषि

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.33) Solution (b)

- 1926 का **लिनलिथगो आयोग** भारत में कृषि पर एक रॉयल आयोग था।
- 1923 में भारत सरकार की श्रेष्ठ सार्वजनिक सेवा की नृजातीय संरचना का अध्ययन करने के लिए लॉर्ड ली की अध्यक्षता में **ली आयोग** का गठन किया गया था। इसने 1924 में अपनी रिपोर्ट दी तथा लोक सेवा आयोग की तत्काल स्थापना की सिफारिश की।
- भारत में औद्योगिक उपक्रमों और बागानों में श्रम की मौजूदा स्थितियों की जानकारी के लिए 1929 में श्रम पर रॉयल कमीशन या श्रम पर **व्हिटले आयोग** की स्थापना की गई थी। आयोग की अध्यक्षता जॉन हेनरी व्हिटले ने की थी। आयोग ने 1931 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- **मुदिमन समिति या सुधार जांच समिति (1924)** ने भारतीयों की नई पूर्ण स्वराज घोषणा (भारत की स्वतंत्रता) के संदर्भ में भारतीय नेताओं की मांगों को पूरा करने के लिए आयोजित किया। इस समिति ने 1921 में भारतीय परिषद अधिनियम के तहत 1921 में गठित संविधान पर द्वैधशासन मुद्दे की जांच में सहायता की।

Q.34) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) सत्र के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही था?

1. महात्मा गांधी की अध्यक्षता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केवल 1924 में बेलगाम सत्र आयोजित किया गया था।
2. एनी बेसेंट और सरोजिनी नायडू स्वतंत्रता से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की केवल दो महिला अध्यक्ष थीं।
3. कांग्रेस के सबसे बड़े सत्र की अध्यक्षता चक्रवर्ती विजयराघवाचार्य ने की थी।
4. अबुल कलाम आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 2 और 4

b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1 और 3
d) केवल 1, 2 और 3

Q.34) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4
सत्य	असत्य	सत्य	असत्य
1924 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का बेलगाम (कर्नाटक) सत्र एकमात्र सत्र था जिसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी।	स्वतंत्रता से पहले, केवल 3 महिला कांग्रेस अध्यक्ष थीं - एनी बेसेंट (1917, कलकत्ता), सरोजिनी नायडू (1925, कानपुर) और नेली सेनगुप्ता (1933, कलकत्ता)।	INC का सबसे बड़ा सत्र 1920 में नागपुर में आयोजित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता चक्रवर्ती विजयराघवाचार्य ने की थी।	जीवटराम भगवानदास कृपलानी भारतीय स्वतंत्रता (1947) के समय INC के अध्यक्ष थे।

Q.35) 14 अगस्त 1947 को संविधान सभा के स्वतंत्रता सत्र में वंदे मातरम किसने गाया था?

a) सुचेता कृपलानी
b) मनमोहिनी सहगल
c) उषा मेहता
d) अरुणा आसफ अली

Q.35) Solution (a)

- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **सुचेता कृपलानी** सबसे आगे रही। उन्होंने बाद में विभाजन के दंगों के दौरान महात्मा गांधी के साथ मिलकर काम किया। वह 1946 में उनके साथ नोआखली गयी थी।
- वह उन कुछ महिलाओं में से एक थीं जिन्हें भारत की संविधान सभा के लिए चुना गया था। वह उत्तर प्रदेश राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री चुनी गईं तथा भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली उपसमिति का हिस्सा थीं।
- 14 अगस्त 1947 को, उन्होंने संविधान सभा के स्वतंत्रता सत्र में वंदे मातरम गाया, इससे कुछ मिनट पहले नेहरू ने अपना प्रसिद्ध "ट्राइस्ट विद डेस्टिनी" भाषण दिया।
- वह 1940 में स्थापित अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की संस्थापक भी थीं।

Q.36) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

व्यक्ति	पद
1. बलवंत राय मेहता	सचिव, आल इंडिया स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रेंस
2. लाला लाजपत राय	अध्यक्ष, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस
3. एम. आर. जयकर	अध्यक्ष, भारतीय सड़क विकास समिति

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही ढंग से सुमेलित है / है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.36) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**सत्य**
1927 में रियासतों के संगठन एक साथ आए और एक अखिल भारतीय संगठन का गठन किया, जिसे **आल इंडिया स्टेट पीपुल्स कॉन्फ्रेंस** कहा गया। **बलवंत राय मेहता** जिन्होंने गुजरात में भावनगर में प्रजा मंडल की स्थापना की, इस संगठन के सचिव बने।	**अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC)**, भारत में सबसे पुराना ट्रेड यूनियन संघ 1920 में स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना **लाला लाजपत राय**, जोसेफ बैप्टिस्टा, एन.एम. जोशी और दीवान चमन लाल द्वारा की गई थी। लाला लाजपत राय AITUC के पहले अध्यक्ष चुने गए थे।	भारत सरकार ने 1927 में **एम. आर. जयकर की सड़क विकास समिति के अध्यक्ष** के रूप में एक समिति नियुक्त की। उन्हें बंबई से कांग्रेस के टिकट पर संविधान सभा के लिए चुना गया था। हालांकि, विधानसभा में एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद, उन्होंने अपनी सीट छोड़ दी, जिसे डॉ. बी. आर अम्बेडकर द्वारा ग्रहण किया गया था।

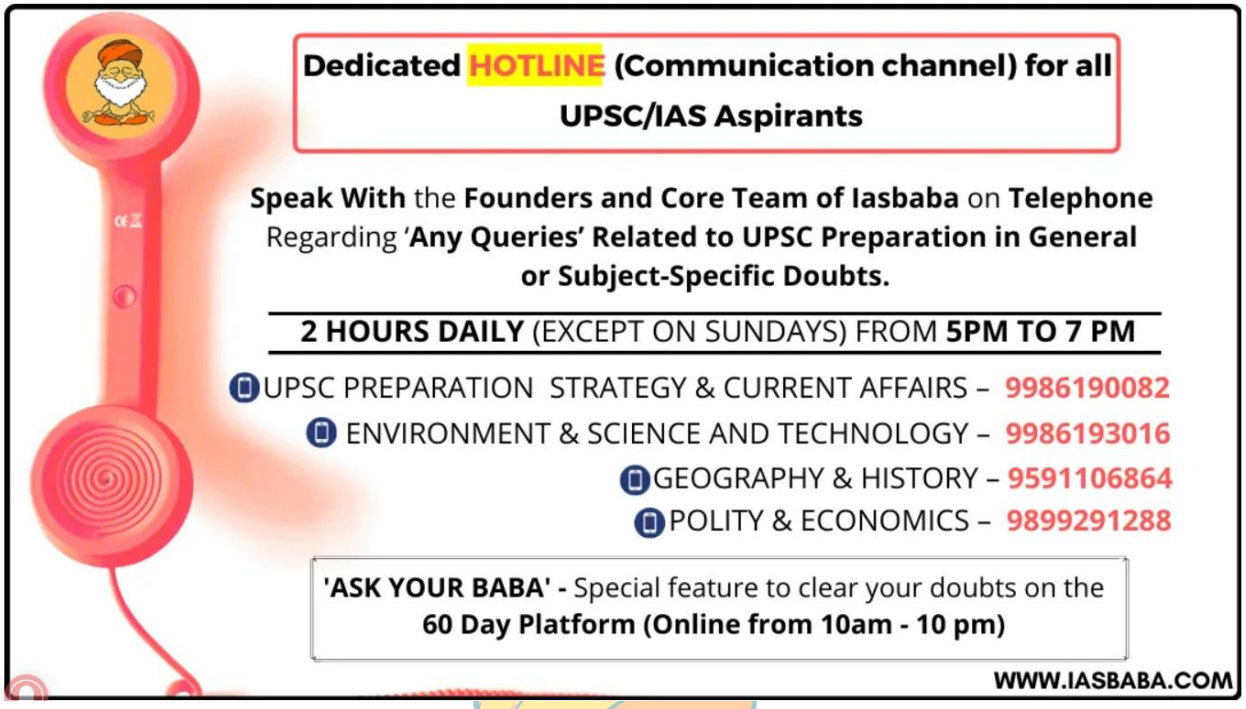

Q.37) ब्रिटिश प्रधानमंत्री, रैम्जे मैकडॉनल्ड द्वारा घोषित सांप्रदायिक पुरस्कार के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है / है?

1. पुरुस्कार ने दलित वर्गों को भी अल्पसंख्यक घोषित किया तथा उन्हें पृथक निर्वाचक मंडल का हकदार बनाया।
2. घोषणा के दौरान लॉर्ड इरविन भारत के वायसराय थे।
3. पूना पैक्ट और गांधी - इरविन समझौता सांप्रदायिक पुरस्कार की घोषणाओं के परिणाम थे।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.37) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
1932 का सांप्रदायिक पुरस्कार, बांटो और राज करो की ब्रिटिश	**लॉर्ड विलिंगडन (1931-1936)** ब्रिटिश प्रधानमंत्री, रैम्जे	डॉ. अम्बेडकर और गांधी के बीच एक समझौता हुआ, जिसे **सांप्रदायिक**

नीति की एक और अभिव्यक्ति थी। मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों को अल्पसंख्यकों के रूप में मान्यता दी जा चुकी थी। **1932 के सांप्रदायिक पुरस्कार ने दलित वर्गों को भी अल्पसंख्यक घोषित किया, और उन्हें 'पृथक निर्वाचक मंडल' का हकदार बनाया।**	मैकडोनाल्ड द्वारा घोषित सांप्रदायिक पुरस्कार के दौरान भारत के वायसराय थे।	**पुरस्कार के परिणामस्वरूप पूना पैक्ट** के रूप में जाना गया। तदनुसार, दलित वर्गों के लिए आरक्षित सीटें प्रांतीय विधानसभाओं में 71 से बढ़कर 147 और केंद्रीय विधायिका में कुल का 18% थीं। 'गांधी-इरविन पैक्ट' एक राजनीतिक समझौता था जिसे **गांधी और लॉर्ड इरविन** ने 5 मार्च 1931 को लंदन में **दूसरे गोलमेज सम्मेलन से पहले** हस्ताक्षरित किया था।

Q.38) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

महिला संगठन	संस्थापक
1. अखिल भारतीय महिला सम्मेलन	एनी बेसेंट
2. भारतीय महिला संघ	सरोजिनी नायडू
3. भारत स्त्री महामंडल	कमला देवी चट्टोपाध्याय

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.38) Solution (d)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
असत्य	**असत्य**	**असत्य**
अखिल भारतीय महिला सम्मेलन (AIWC) की स्थापना 1927 में	1917 में मद्रास के पास अडयार में **एनी बेसेंट** द्वारा महिलाओं की	भारत स्त्री महामंडल 1910 में इलाहाबाद में **सरला देवी चौधुरानी**

मार्गरेट बहनों द्वारा की गई थी ताकि महिलाओं और बच्चों के लिए शैक्षिक प्रयासों में सुधार किया जा सके।	भारतीय महिला संघ की स्थापना की गई थी।	द्वारा स्थापित भारत का पहला महिला संगठन था।

Q.39) भारतीय आधुनिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रम में व्यवस्थित करें।

1. कैबिनेट मिशन
2. डिकी बर्ड प्लान
3. क्रिप्स मिशन
4. वेवेल योजना और शिमला सम्मेलन

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 1 - 3 - 4 - 2
b) 3 - 4 - 2 - 1
c) 3 - 1 - 4 - 2
d) 1 - 3 - 2 - 4

Q.39) Solution (c)

- सही क्रम: क्रिप्स मिशन (1942) - वेवेल योजना और शिमला सम्मेलन (1945) - कैबिनेट मिशन (1946) - डिकी बर्ड योजना (1947)
- **1942:** ब्रिटिश सरकार द्वारा ब्रिटिश युद्ध प्रयासों के लिए भारतीय सहयोग और समर्थन को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से मार्च 1942 में ब्रिटिश सरकार द्वारा **क्रिप्स मिशन** भेजा गया था। सर स्टेफोर्ड क्रिप्स द्वारा संचालित, इस मिशन ने भारतीय नेताओं के साथ एक समझौते पर बातचीत करने की मांग की।
- **1945:** चर्चिल के नेतृत्व वाली ब्रिटेन की कंजरवेटिव सरकार भारत में संवैधानिक प्रश्न के समाधान तक पहुंचने की इच्छुक थी। वायसराय, लॉर्ड वेवेल को भारतीय नेताओं के साथ बातचीत शुरू करने की अनुमति दी गई। लॉर्ड वेवेल ने 25 जून, 1945 को **वेवेल योजना** पर चर्चा के लिए ब्रिटिश भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला में महात्मा गांधी और एम ए जिन्ना सहित 21 राजनीतिक नेताओं को आमंत्रित किया।
- **1946:** एटली सरकार ने फरवरी 1946 में तीन ब्रिटिश कैबिनेट सदस्यों (पेथिक लॉरेंस, स्टैफ़ोर्ड क्रिप्स, और ए वी अलेक्जेंडर) के एक उच्च-शक्ति वाले मिशन (**कैबिनेट मिशन**) को भारत भेजने का फैसला किया, ताकि बातचीत के तरीके और मार्गों का पता लगाया जा सके, जिसका उद्देश्य भारत को सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण था। (पेथिक लॉरेंस मिशन के अध्यक्ष थे)।
- **1947: 1947 में 3 जून के माउंटबेटन प्लान** को बाल्कन प्लान, डिकी बर्ड प्लान के रूप में भी जाना जाता था, क्योंकि इसका उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्यवादी डिजाइनों के अनुरूप भारत को छोटे भागों में विभाजित करना था।

Q.40) निम्नलिखित में से कौन विंस्टन चर्चिल के इम्पीरियल युद्ध मंत्रिमंडल का सदस्य था तथा बाद में, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद का पहला अध्यक्ष बना?

a) रेट्टिमिलाई श्रीनिवासन
b) मदुरई पिल्लई
c) एस सुब्रमण्यम अय्यर
d) अर्काट रामास्वामी मुदलियार

Q.40) Solution (d)

- दीवान बहादुर **अर्काट रामास्वामी मुदलियार** (14 अक्टूबर 1887 - 17 जुलाई 1976)
  - वह एक वकील, राजनयिक और राजनेता थे।
  - उन्होंने जस्टिस पार्टी के नेता के रूप में प्रथम गोलमेज सम्मेलन में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। तीसरे गोलमेज़ सम्मलेन में भी भाग लिया।
  - उन्होंने 1942 से 1945 के दौरान डब्ल्यू. चर्चिल के **शाही युद्ध मंत्रिमंडल के सदस्य** के रूप में कार्य किया।
  - वह प्रशांत युद्ध परिषद में भारतीय प्रतिनिधि थे।
  - उन्होंने 23 जनवरी 1946 - 23 जनवरी 1947 की अवधि के दौरान **संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के पहले अध्यक्ष** के रूप में कार्य किया।
  - उन्होंने मैसूर साम्राज्य के अंतिम दीवान के रूप में भी काम किया तथा 1946 से 1949 तक इस पद पर रहे।

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.